भारतीय पारंपरिक ज्ञान पत्रिका
खंड 25(9), सितम्बर 2026, पृ. 881-894
DOI: 10.56042/ijtk.v25i9.24061

इंडोनेशिया के दक्षिण पापुआ में कानुम जनजाति की एथनोबॉटनी और पौधों की विविधता

येनी पिंटाउली पासारिबु[क,*], ड्वी नुग्रोहो विबोवो[ख], एम्मा श्री कुनकारी[ग], ला हिसा[घ], डिन वाह्युदिन[ङ], आइरीन हेर्डजियोनो[च], योरिंडा बुयांग[क], ट्रिनोवियांटो जॉर्ज आर.हलाटू[छ], आइविलेंटाइन डातु पालिटिन[ज] एवं टोबियास न्गारुआकाई[झ]

[क]डिपार्टमेन्ट ऑफ केमिस्ट्री एजुकेशन, मुसामस यूनिवर्सिटी, कामिज़ाउन स्ट्रीट, मेराउके, 99611, साउथ पापुआ, इंडोनेशिया
[ख]डिपार्टमेन्ट ऑफ बायोलॉजी, जेंडरैल सोएडिरमन यूनिवर्सिटी, पुरवोकेर्टो 53122, सेंट्रल जावा, इंडोनेशिया
[ग]इकोलॉजी रिसर्च सेंटर, नेशनल रिसर्च एंड इनोवेशन एजेंसी (BRIN), बोगोर, 16911, वेस्ट जावा, इंडोनेशिया
[घ]वासुर नेशनल पार्क, मेराउके, 99611, साउथ पापुआ, इंडोनेशिया
[ङ]डिपार्टमेन्ट ऑफ करीकुलम डवलपमेंट , इंडोनेशिया यूनिवर्सिटी ऑफ़ एजुकेशन, बांडुंग, 40154, वेस्ट जावा, इंडोनेशिया
[च]डिपार्टमेंट ऑफ इकोनोमिक्स एंड बिजनेस, [छ]डिपार्टमेंट ऑफ प्राइमरी टीचर एजुकेशन, [ज]डिपार्टमेंट ऑफ फिज़िक्स एजुकेशन, [झ]डिपार्टमेंट ऑफ इंडोनेशियन लैङ्ग्वेज एंड लिट्रेचर एजुकेशन, मुसामस यूनिवर्सिटी, कामिज़ाउन स्ट्रीट, मेराउके, 99611, साउथ पापुआ, इंडोनेशिया
[*]ई-मेल: pasaribu@unmus.ac.id

प्राप्त 26 सितंबर 2025; संशोधित 07 मई 2026; स्वीकृत 01 जून 2026

कानुम एक मूल निवासी जनजाति है जो इंडोनेशिया के दक्षिण पापुआ में मेराउके के कई गांवों में रहती है। इस जनजाति के पास पौधों के बारे में समृद्ध पारंपरिक ज्ञान (एथनोबॉटनी) होने के बावजूद, पौधों के पारंपरिक उपयोग के बारे में व्यापक दस्तावेज़ीकरण और बड़े पैमाने पर प्रकाशन सीमित ही रहा है। इस शोध में मिश्रित-तरीकों (*mixed-methods*) के दृष्टिकोण का उपयोग करके कानुम जनजाति के एथनोबॉटनी संसाधनों का पता लगाया गया। यह डेटा जुलाई से नवंबर 2024 के बीच इंडोनेशिया के मेराउके रीजेंसी के सोटा जिले के तीन गांवों से एकत्रित किया गया था। रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इस्तेमाल होने वाले पौधों की प्रजातियों की गहरी जानकारी रखने वाले आठ कम्युनिटी लीडर और पारंपरिक रूप से जुड़े बुज़ुर्ग मुख्य उत्तरदाताओं में शामिल थे। डेटा एकत्रित करने के लिए क्षेत्र पर्यवेक्षण, मुख्य उत्तरदाताओं के साथ विस्तारपूर्वक बातचीत और औषधीय पौधों से दवा बनाने की विधियों का प्रदर्शन किया गया। नतीजों से पता चला कि कुल 83 तरह के एथनोबोटैनिकल (पारंपरिक रूप से इस्तेमाल होने वाले) पौधों की पहचान की गई है, जो 71 जेनेरा और 42 परिवारों से संबंधित थे। इनमें से लगभग 59**%** पौधे पूर्वी इंडोनेशिया, न्यू गिनी, ऑस्ट्रेलिया और प्रशांत द्वीपों के मूल निवासी हैं। इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से पारंपरिक रीति-रिवाजों, दवा और भोजन में किया जाता है, और घावों के इलाज में इनका सबसे ज़्यादा इस्तेमाल होता है। ये नतीजे सांस्कृतिक विरासत को बचाने में मदद करते हैं और साथ ही दवाओं पर आगे की शोध, नई दवाओं की खोज और जैव विविधता के संरक्षण के लिए एथनोमेडिसिनल आधार भी प्रदान करते हैं।

मुख्य शब्द: एथनोमेडिसिन, कानुम जनजाति, पारंपरिक ज्ञान